

प्रेषक,

आग प्रगति,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विद्यालयी शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 27 अक्टूबर, 2008

विषय:- स्पेशल कम्पोनेट प्लान के अन्तर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में चालू निर्माण कार्यों के लिये धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदया,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 5ख-1/15063/एस0सी0पी0/2008-09 दिनांक: 10.07.2008 के संबंध में तथा शासनादेश संख्या 370/XXIV-3/2006/02(71)2006 दिनांक: 15 दिसम्बर, 2006 एवं शासनादेश संख्या 1643/XXIV-3/2006/02(71)2006 दिनांक: 21 नवम्बर, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय स्पेशल कम्पोनेट प्लान (एस0सी0एस0पी0) के अन्तर्गत राजकीय इंटर कालेज, बैरासकुण्ड, जनपद बगोली के भवन निर्माण हेतु अनुमोदित लागत रु० 93.95 लाख के सापेक्ष पूर्व में स्वीकृति धनराशि रु० 63.95 लाख को समायोजित करते हुए देय अवशेष धनराशि रु० 30.00 लाख (रुपये तीस लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में शासनादेश संख्या 657/XXIV-3/2008/02(37)2008 दिनांक: 16 अप्रैल, 2008 द्वारा प्रश्नगत योजनान्तर्गत आपके निर्वहन पर रखी गयी धनराशि रु० 500.00 लाख में से निवमानुसार व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अर्थात् प्रदान करते हैं:-

- (1) उपर्युक्त विद्यालयों के अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्रामों/वार्डों में स्थित होने पर ही धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- (2) आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव में ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- (3) कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
- (4) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (5) एकमुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य टेकअप किया जाय।
- (6) कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मददे नजर रखते हुए एंजिनीयरिंग लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।

अर्प

क्रमशः...2

- (7) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भू-मापन निरीक्षण उच्च-अधिकारियों एवं गुरुत्वता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल पर आवश्यकतानुसार एवं प्राप्त निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- (8) आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- (9) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- (10) यदि स्वीकृत धनराशि में स्थल विकास कार्य संभव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्वीकृति राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाये। कार्य के प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए कार्य को समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (11) जीपीओ डब्लू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- (12) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219 (2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।
- (13) निर्माण की गुणवत्ता के लिए संबंधित निर्माण एंजेंसी उत्तरदायी होगी।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहां आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर तथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनुमोदित लागत से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-30 के अधीन लेखा शीर्षक-4202-शिक्षा, खेलकूद, कला तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय, 01-सामान्य शिक्षा, 202-माध्यमिक शिक्षा-00-आयोजनागत, 02-अ0सू0जा0 के लिये स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान, 0201-अ0सू0जा0 बाहुल्य क्षेत्रों में रा0हा0,इ0का0 के भवनहीन भवनों का निर्माण, 24-वृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 397(P)/XXVII(3)/2008 दिनांक: 21.10.2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)  
सचिव।

वर्षा



संख्या: 1842 (1)/XXIV-3/08/02(71)2006 तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवरराय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी उत्तराखण्ड।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी उत्तराखण्ड।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 6- अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 7- जिलाधिकारी, चमोली।
- 8- कोषाधिकारी, चमोली।
- 9- जिला शिक्षा अधिकारी, चमोली।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 11- कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग) उत्तराखण्ड शासन।
- 12- एन०आई०सी० उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड शासन।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी०एल०शाह)

उप सचिव।

अप